

[Shri B. R. Nahata]

377 I invite the attention of this Hon. House to the fact that 15,000 people are engaged in collecting gold from Tapkara and Farsa Bahar two Development Blocks in Madhya Pradesh in Raigarh District, where gold particles even of 10 gms. weight are found. This gold is collected for some businessmen who purchase or get it collected from labourers paying them 7 to 8 rupees per day as labour charges and the daily collection of gold is about 1.25 lacs of rupees. The attention of the Government is drawn to this aspect for an immediate action for a problem of public importance.

(vi) SHORTAGE OF CEMENT AND SUGAR IN UTTAR PRADESH.

SHRI ZAINUL BASHER (Gazipur): Mr. Deputy Speaker, Sir, due to non-supply of cement and sugar, Uttar Pradesh is facing acute shortage. There was very little sugar availability to consumers during the Id Festival. The Hindu Festivals are also due within 2-3 months, and there will certainly be rise in the demand of sugar. If the Government will not come to the rescue, the State Government of Uttar Pradesh will be handicapped and the consumers will suffer.

The building activities in Uttar Pradesh have come to standstill due to non-availability of cement during rainy season this year. Cement is not available even for the purpose of repairs. The Central Government have affected 50 per cent cut in the allocation of cement quota in Uttar Pradesh. The cement available to the State is insufficient even for Government constructions. The developmental activities too have come to a static state for want of cement.

I, therefore, urge upon the Government to supply cement and sugar to the State of Uttar Pradesh as per their demands as early as possible.

(vii) DEMAND OF NATIONALISATION OF J. K. MANUFACTURERS (KAILASH MILLS), KANPUR.

श्री आरिफ बोल्लुखान (कानपुर) :  
उपाध्यक्ष महोदय, जे० के० मैन्यूफैक्चरर्स (कैलास मिल) कानपुर की समस्या की ओर मैं वाणिज्य मंत्रों का ध्यान दिलाना चाहता हूँ। कपड़े का यह मिल गैर-कानूनी तौर पर ता० 10 अक्टूबर, 1976 से बन्द पड़ा है। इस मिल के मजदूरों को पिछले 5 वर्षों में अत्यन्त दयनीय जीवन बिताने के लिये मजबूर किया गया है। उत्तर प्रदेश के प्रतिष्ठा के इस कारखाने के मजदूरों ने रिकशा चला कर और दूसरे अतिपुण कार्य कर किसी तरह अपने आप को जीवित रखा। परन्तु इसी बीच अनेक मजदूरों ने कठिनाइयों से तंग आ कर आत्महत्या कर ली और कुछ कानपुर छोड़ कर चले गये। इस मिल को खुलवाने या राष्ट्रीयकरण के लिये अनेक जापन दिये गये हैं। पिछले वर्ष लोक सभा में बताया गया था कि उत्तर प्रदेश सरकार अपनी संतुष्टि भेज चुकी है और राष्ट्रीयकरण के विषय पर शीघ्र ही निर्णय हो जायगा। मई, 1981 में मजदूरों के प्रतिनिधि मंडल को माननीय वाणिज्य मंत्रों ने मेरी उपस्थिति में आश्वासन दिया था कि किसी विलम्ब के बिना मिल खोल दिया जायेगा। अभी इसी महीने 2 अगस्त को कानपुर में मजदूरों का एक प्रतिनिधि मंडल मुझसे मिला और उनके नेता ने कहा कि चूंकि मिल नहीं खोली जा रही है इसलिये मजदूरों के एक नेता श्री केशव प्रसाद त्रिपाठी अपने प्राणों की बलि ता० 10 अगस्त को दोगे। मेरे समझाने पर राजामन्दी दिखाने के बावजूद श्री केशव प्रसाद त्रिपाठी ने 11 अगस्त को बिजली का तार पकड़ कर अपनी जान दे दी।

अब यह समस्या गम्भीरता की सीमा पार कर चुकी है। आपके माध्यम से मेरी मांग है कि अब स्थिति के और बिगड़ने के पहले इस मिल का राष्ट्रीयकरण कर मजदूरों को बचाया जाय।